आईआईएम स्टूडेंट्स ने चीन में किया भारत का प्रतिनिधित्व

रायपुर। अंतराष्ट्रीय व्यापार का मैनेजमेंट सिस्टम, समाज व संस्कृति कैसे राजनैतिक व अन्य प्रभाव लाते हैं, इसका अध्ययन करने आईआईएम रायपुर के 6 स्टूडेंट्स ने चीन का दौरा किया। यह दौरा वार्षिक भारत-चीन युवा विनिमय कार्यक्रम के तहत किया गया। इस दौर में भारत से कुल 200 सदस्य शामिल हुए, इनमें से 6 आईआईएम रायपुर के रहे। टीम में विभिन्न राज्यों के छात्रों, शोधकर्ताओं, युवा लीडर्स और युवा विजेता शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने बीजिंग, वुहान, कुनमिंग, शंघाई और गुआंगजौ सहित विभिन्न चीनी शहरों का दौरा किया। आईआईएम रायपुर के 6 स्टूडेंट्स बंसरी भानुशाली, चैतन्य द्विवेदी, धनश्री नेमाडे, मनाली चक्रवर्ती, नवया उमाशंकर और विनय जैन ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। सभी ने चीन युवा संघ के स्वयंसेवकों के साथ-साथ प्रमुख व्यवसायों के शीर्ष स्तरीय प्रबंधन कर्मियों के साथ बातचीत की।

छात्रों ने जानी इंटरनेशनल व्यापार की जरूरतें और वर्तमान आवश्यकता

इन विषयों पर हुई चर्चा

प्रतिनिधिमंडल ने विद्यार्थियों को कंपनी के दौरे, पर्यटन, व्याख्यान के माध्यम से चीन की अर्थव्यवस्था, समाज और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं का अनुभव करने का अवसर दिया। उद्योग, शिक्षा, खेल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शहरी नियोजन, कृषि और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और चिकित्सकों के साथ कई मुद्दों पर चर्चा हुई और छात्रों को जानकारी प्रदान की गई।

सकारात्मक और सक्रिय वातावरण

आईआईएम रायपुर के स्टूडेंट विनय जैन ने कहा, यह युवा प्रतिनिधि कार्यक्रम एक अच्छा अनुभव और कॅरियर की एक अहम उपलब्धि थी। पिछले कुछ वर्षों में, भारत और चीन ने राजनीतिक, आर्थिक, कंसुलर के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों को शामिल करते हुए कई वार्ता तंत्र स्थापित किए हैं। लेकिन व्यक्तिगत आदान-प्रदान कम होने के कारण दोनों देशों के बीच गलत धारणाएं और पूर्वकल्पित विचार आम हैं। एक अन्य छात्रा बंसरी भानुशाली ने कहा, इस तरह के कार्यक्रम द्विपक्षीय संबंधों में अधिक सकारात्मक और सक्रिय वातावरण बनाते हैं।

Haribhoomi, 10th Aug 2018, P.14-15